To Plant Trees in Reserve Forest

***38. SH. SITA RAM YADAV (Ateli):**

Will the **Forest Minister** be pleased to state that: -

Will the Forest Minister be pleased to state: -

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to plant, Peepal, Neem, Kikar, Sisam, Banyan and other trees in place of the dried trees of Acacia t sortilis and Muscat planted in the reserved forest of village Kanti; and

(b) if so, the time by which the said trees are likely to be planted together with the details thereof?

Kanwar Pal, Forest Minister, Haryana

(a) Yes Sir, the plantation has been undertaken in the Kanti Reserve Forest area during the current monsoon season by removing dried trees. About 3500 plants have been planted during the current year.

(b) The plantation work will be completed in the current planting season.

NOTE FOR PAD

225 Acre land of village Kanti, Tehsil- Ateli, District-Mahendergarh was notified as Reserve Forest vide Government of Haryana notification no. SO.114/CA.16/27/S.20/72 Dated 07.07.1972. It is situated in Mahendergarh District near Rajasthan border. The climatic condition of the area is typically xerophytic and the water table is very low which makes water a limiting factor for plantation.

At present the constituent species of the Reserve Forest are *Acacia tortilis*, *Prosopis juliflora (*mesquite), *Holoptelea integrifolia(* Pahari Papri), *Senegalia Senegal (*Khairi) , *Azadirachta indica(Neem), Ficus virens(Pilkhan), Dalbergia sissoo (Shisham)*etc.. This Reserve Forest is also habitat of various wild animal species like *Boselaphus tragocamelus* (Nilgai), *Canis aureus* (Jackal), *Oryctolagus cuniculus* (Rabbit) in sufficient numbers. Beside there are numerous bird species and some species of reptiles.

Plantations have been undertaken in the past. In the recent history 4000 number of plants were planted in the Compensatory afforestation scheme in the year 2016-17. The planted species comprised of Neem, Pilkhan, Shisham, Pahari papri and Jamun.

During current year plantation has been under taken in the area and about 3500 plants of different species like Bargad, Pipal, Neem, Papri and Karonda has been planted in the area.

आरक्षित वन क्षेत्र में वृक्ष लगाना

*38. श्री सीता राम यादव (**Ateli**):

क्या **Forest Minister** be pleased to State that:-

क्या वन मंत्री कृपया बताएंगे कि:-

(क) क्या गांव कांटी के आरक्षित वन में लगाए गए बबूल टॉर्टिल एवं मस्कट के सूखे वृक्षों के स्थान पर पीपल, नीम, कीकर, शीशम, बदगद तथा अन्य वृक्ष लगाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; तथा

(ख) यदि हां, तो उक्त वृक्षों के कब तक लगाए जाने की संभावना है तथा उसका ब्यौरा क्या है?

कंवर पाल, वन मंत्री, हरियाणा

(क) हां श्रीमान जी, कांटी आरक्षित वन में सूखे वृक्षों को हटाकर चालू मानसून सीजन में पौधारोपण का कार्य किया गया है। इस वन क्षेत्र में इस वर्ष 3500 पौधे लगाए गए हैं।

(ख) पौधारोपण का कार्य चालू पौधारोपण सीजन में पूर्ण कर लिया जाएगा।

नोट फॉर पैड

महेन्द्रगढ जिले की तहसील अटेली के अन्तर्गत कांटी गांव की 225 एकड़ भूमि हरियाणा सरकार की अधिसूचना संख्या SO.114/CA.16/27/S.20/72 दिनांक 07.07.1972 द्वारा संरक्षित वन अधिसूचित है। यह महेन्द्रगढ जिले में राजस्थान के निकट स्थित है। इस क्षेत्र की जलवायु की स्थिति आमतौर पर रेगिस्तानी है तथा यहां का जलस्तर अत्यधिक गहरा है, जिसके कारण पौधारोपण के लिए जल बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध है।

वर्तमान मे इस संरक्षित वन क्षेत्र में बबूल, मस्कट, पहाड़ी पापड़ी, खेरी, पीलखन, शीशम आदि प्रजातियो के वृक्ष है। इसके अतिरिक्त यह संरक्षित वन विभिन्न प्रकार के वन्य जीव जैसे नील गाय, गीदड़, खरगोश आदि का प्राकृतिक वास है जो कि यहां प्रर्याप्त संख्या में है। इसके अतिरिक्त यहां पर विभिन्न प्रकार के पक्षियों एंव सृप की प्रजातियां भी पाई जाती है।

गत वर्षो में यहां पर पौधारोपण का कार्य किया जाता रहा है। नवीनतम कार्य वर्ष 2016-17 मे प्रतिपुर्ति पौधारोपण के अन्तर्गत 4000 पौधे लगाकर किया गया। पौधारोपण में नीम, पीलखन, शीशम, पहाड़ी पापड़ी आदि प्रजातियों के पौधे लगाये गये है।

चालू पौधारोपण सीजन में इस वन क्षेत्र में पौधारोपण का कार्य करवाया जा रहा है और अभी तक इस वन में बरगद, पीपल, नीम, पापड़ी व करोंदा प्रजातियों के करीब 3500 पौधे लगाए जा चुके हैं।